मक्का

रब्बी मक्का के साथ मिश्रित खेती में :–

मक्का + आलू + मूली

मक्का + मटर

मक्का + राजमा

उत्तम प्रभेद :– शक्तिमान –1

शक्तिमान –2,3,4

हाईब्रीड :– यूपीएल, माहीको, सुवान, देवकी लक्ष्मी

खेत की तैयारी :– एक सेर जुताई करके पाल चला दे। तैयारी के समय 10–15 टन गोबर का खद या वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग करना उत्तम हैं।

बेज दर :– 20 किलो ग्राम प्रति हे० की दर से करें।

बेजोउपचार :– कैप्टोन, थीरम या वैविस्टीन 2–2.5 ग्राम प्रति 1 किलो से आवश्यक करें।

बुवाई :– बुवाई 6 सी.एम. पंक्ति –पंक्ति 25 सी. एम. पौधे से पौधे की दूरी पर बुवाई करें। 3–4 सी. एम. गहराई में बीज की बुवाई करें।

उर्वरक :–

बुआई के समय किलो/हे०	घुटनेभर को पौधे होने पर	धनबाल निकलने समय
युरीया 23	88	88
डी. ए. पी. 165	–	–
एम. ओ. पी. 84	–	–

जल प्रबन्धन :– रबी फसल में 4–5 सिंचाई करना आवश्यक है।

मोचा निकलने से लेकर दाने बनने समय तक खेत मे नमी होनी चाहीये।

खरपतवार प्रबंधन :– बुआई के दुसरे दिन एट्राजीन 3 लीटर दवा 600 लीटर पानी के साथ घोल बना कर समान रुप से छिड़काव करें। इस दवा का प्रयोग 20–25 दिनो पर भी आवश्यकता होने पर कीया जा सकता है। खुरपी से भी कतारो के बीच में खरपतवार निकाल लेना चाहीये।

श्रोग व कीट प्रबंधन :–

पहला छन	पत्तियों पर गोल भूरे रंग के धब्बे हो जाना	कार्बेन्डाजीम 1 ग्राम/ली. पानी का छिडकाव करे।
स्टाक राट	जलीय ध्ब्बे जैसा हो कर सर जाना	ब्लीचीगं पाउडर की 4 किलो को 1000 लीटर पानी में घोल बना कर छिडकाव करें।
हरदा	पत्तियो एव तने पर भूरे धब्बे होना	मैक्कोजेब 25 ग्राम./ ली. पानी में छिडकाव करें।
उकठा	फसल का बढ़वार रुक जाना।	कैप्टान से बीज का उपचार 2 ग्राम प्रति किलो बीज के दर से करें।

कीट प्रबंधन :–

तना छेदक – आन्तरिक भाग खा जाते है और पौधे मुरझाकर सूख जाते है। फोरेट 10 जी 7–8 दाने गाभा में डाले। या डेलटामेथलीन 250 एम.एल./हे. के दर से प्रयोग करें।